



دیرو خاڑی سائر عزیز نا عروضی تجربه گاک

Prosodical experiments of Sair Aziz in “Dir o Xaxar”

Muhammad Hanif*M.Phil Scholar (Brahui)*hmizaaj@yahoo.com

Copyright: © 2022 by the author licensee department of Brahui university of Balochistan Quetta.this article is an open access article distributed under the terms and conditions of Creative commons Attribution (CC BY-NC-SA 4.0) license (<https://creativecommons.org/licenses/by-nc-sa/4.0/>)

Received date: 04 October 2022 accepted: 19 December 2022. Published 28 december 2022

Abstract: The analysis of Brahui poetry in terms of prosody is a new topic. Propositional analysis of Brahui Ghazal discusses the technique of versal weight (parameter). Proposition is the knowledge related to poetry which explains the difference between weighted (Bawazn) and weightless (Bewazan) poetry. The main difference between poem and prose is weight, proposition is the scale in which the meter of poetry is measured. Weightless poetry is considered a defect. Sair Aziz is an influential and mature poet, in terms of prosody. there is no flaw of meter in his poetry. There are more than 40 prosodic verses. Some prosodical experiments seem to be the most unique and quite difficult. These are “Fahalatuma, Fahalatuma and “Fahalatun Fahal, Fahalatun Fahal. Same as there are four more unique prosodical experiments which are done for the first time in Brahui Ghazal. Beside this, the prosodic experiences of Sair's Mustazad Ghazals are also noticeable as an artistic point of view. This paper also reveals the un-resolved difficult meters of Sahir, how he changes the form of the words according to his will. the actual pronunciation of the word is important, while Sair sometimes ignores this.

Keywords: Brahui ghazal, Sair Aziz, Brahui bahr, urooz tajruba

1- درستی راستی

عروض شعر نا وزن اے پرکھنگ نا علم اے یعنی ٻمو علم ٻراڙان شعر نا وزن نا درک لڳ، عروض پاننگیک. عروض بے وزن آو باوزن شاعری نا فرق اے پاش کیک. عروض نا علم دا گڑائی پاش کیک که شاعر سینا کلام موزون اے یا نا موزون یعنی وزن ٿی اے یا نے وزن - الغرض عروض ٻمو ترازو ۽ ٻراڻی شعر نا وزن تول کننگیک او ٻمو علم که ٻراڍیه مونا تخیسہ شاعری کننگیک آو پین سینا شاعری اے ٻندنا نا ردت ٻننگیک. نظم و نثر ٿی بنیا تی فرق ڳُوض یا وزن نا اے - دا علم نا ردت عروضی قاعدہ گاک ، وزن، تقطیع او بحرو زحافات آتا بابت شره کننگیک - دا علم ٻیره شاعری تون خلوك اے یعنی دانا سرحال ٻیره شاعری اے، نثری نوشت تون دا نا پچو سیالداری اس اف. چابوکاک عروض نا درشانی اے دا وڙکرینو.

عروض ٻمو بنیاقي قاعدہ غاتا ٻن اے ٻراتا کمک آن شعر نا وزن نا درشانی او جانج

پڙتال مننگ کیک" (Jamal, 2017, p.129)

"اگه لوزآخ اسه خاصو ردو بند يعني وزن نا مطابق اتنگ او اوئى خيالس بىم مرئے تو او شعرس پاننگ مريک ديسكە نثرى لوزآتىكىن آپىنگ نا پېچو قىدис مفک امركە أست خواپې لوزآخ استعمال كىننگ" (Sahar, 2016, p.5)

"علم عروضي بىان كىننگ نا ردىت اسه ىك (نكته) سے آغىت امته كىرە كە علم عروض نا بنىاتى كارو كىزد كلام موزۇن او ناموزۇن نا چاپىنگ او بىندا علم نا ردىت نظم و نثرات فرق كىننگ نا لىم- الغرض علم عروض شعراڭ تول كىننگ نا ترازو لىم او اۋەت پىركەنگ نا كسوئى لىم بېرائان سۇجا او كھوت انگلەن چانز كىننگ مريک، علم عروض بېندنو سائىئىيفىك او علم سے بىرانا ذرىيە اث كلام موزۇن نا بحر و آپىنگ آتا پىركەنگ اىن كىنگىك بېرائان نظم و نثرى فرق بىم پاش مريک- فن عروض نا خواستاكو كە كلام ئىھىفوكا بحر آلتى مىرى بېرائان شعر نا درست وزن نا سما تىم" (Mazhar, 2018, p.17)

"عروض (Judiciary) اىننىڭ كە دانا عدالت آن شعر نا ساقط الوزن مىننگ نا فيصلە تىننگىك" (Rizvi, 2004, p.101)

2- علم عروض، بنيات او بحرآك

علم عروض نا بنىات عرىلى، دانا موجد يا شاعرى كىن بحر و وزن لىم جوڭ كروكا عالم نا پن خليل بن احمدبصري اىن بىرانا زمانه (100 هـ تا 170 هـ) گىدرىنگەن- او فك عربى زيان نا اسه بھلو عالم اس مسونو- خليل عربى شاعراتا كلام نا جاچ آن گىد پانزده بحر جوڭ كىرى، بىرافته زىپا اينو اسكان شاعرى مىننگ اىن- عربى نا بحرات ایران اث بىم جم وجوشۇت تىننائى كىننگا ولى بىرا بحرآك فارسى زيان ئى روانى تختورە، او فتى يەلە كىننگا او ايرانى عالماك چار پىن بحر جوڭ كىرى بىرافك فارسى زيان نا خواستائى پورا كىرە، داۋىت غىت نوزدە بحر جوڭ مسۇر، بىرافته ردو بند دۇن-

- | | |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| مفاعيلن مفاعيلن مفاعيلن مفاعيلن
فاعلاتن فاعلاتن فاعلاتن فاعلاتن
مستفعلن مستفعلن مستفعلن مستفعلن
فعلون فعلون فعلون فعلون
متفاعلن متفاعلن متفاعلن متفاعلن
مفاعيلن مفاعيلن مفاعيلن مفاعيلن
مستفعلن مستفعلن مفعولات مفعولات
مفاعيلن فاعلن فاعلن فاعلن
فعلون مفاعيلن فعلون مفاعيلن
مستفعلن فاعلاتن فاعلاتن فاعلاتن
مفاعيلن فاعلاتن مفاعيلن فاعلاتن
مفعولات مستفعلن مفعولات مستفعلن
مستفعلن فاعلاتن مستفعلن فاعلاتن
بحر خفيف مسدس سالم.....
بحر سريح مسدس سالم.....
بحر متدارك مثمن سالم.....
بحر جدييد مسدس سالم.....
بحر قريب مسدس سالم.....
بحر مشاكل مسدس سالم..... | i- بحر بېزج مثمن سالم.....
ii- بحر رمل مثمن سالم.....
iii- بحر رجز مثمن سالم.....
iv- بحر متقارب مثمن سالم.....
v- بحر كامل مثمن سالم.....
vi- بحر وافر مثمن سالم.....
vii- بحر بسيط مثمن سالم.....
viii- بحر مديد مثمن سالم.....
ix- بحر طويلى مثمن سالم.....
x- بحر منسرح مثمن سالم.....
xi- بحر مضارع مثمن سالم.....
xii- بحر مقتضب مثمن سالم.....
xiii- بحر مجئت مثمن سالم.....
xv- فاعلاتن مستفعلن فاعلاتن
مستفعلن مستفعلن مفعولات
فاعلن فاعلن فاعلن
فاعلاتن فاعلاتن مستفعلن
مفاعيلن مفاعيلن مفاعيلن
فاعلاتن فاعلاتن مفاعيلن
بحر خاچىرى سائزىز نا عروضى تجربى غاڭ
https://doi.org/10.54781/abz.v14i1.356 |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|

ولدابندا نوز ده بحر آتے ٿي زحاف نا عمل آن پين کيئي بحرآك جوڙ كننگاريپرا فتيا ن گڙاس بهاز روانی تخره
او دافته ٿي پروڙ نا خيا لاتے نظم کنگ مریک -

3- برايمويٽي بحرآك

دا كان بيدس گڙاس برايمويٽي بحرآك ذكر بهم اوليڪو وار ڈاڪٽ عبد الرزاق صابر ناكتاب "ادب نا بشخاڪ" ٿي
نظر بريک ٻراڙي ڏاڪٽ صاحب عربي و فارسي بحرآتا درستي راستي آن گڏ برايمويٽي بحرآتا بابت نوشته کريسه پاپك
كه

"گڙاس بحر برايمويٽي نا تينا بهم اريکه خلقى شاعراتا گيشتر پيمو بحرآتا زى آشاعرى
كريئو. برايمويٽي خالص بحرآتian بهم گڙاس اندا عربي بحرآتا كچ و كيل اث بريه،
برايمويٽي نا تينا بحراتيان گڙاس دادو (Sabir, 1981, p.2)

- | | |
|-------|----------------------------------------|
| -i | لادے لڏي، لادے لڏي |
| -ii | ليلڙي لادے ليلڙي لادے |
| -iii | ليلڙي لا ليلڙي لا ليلڙي لا |
| -iv | ليلڙي لا ليلڙي لا ليلڙي لا ليلڙي لا |
| -v | لادے لڏي، لادے لڏي، لادے لڏي، لادے لڏي |
| -vi | لڏي لادے، لڏي لادے، لڏي لادے، لڏي لادے |
| -vii | لڏي لا، لڏي لا، لڏي لا، لڏي لا |
| -viii | لڏي لا، لڏي لا، لڏي لا، لڏي لا |
| -ix | برنازا بربنازا بربنازا بربنازا |
- (Sabir, 1981, p.9, 10)

4- برايمويٽي بحراء عربي و فارسي بحراتيئي اسٽي

ڏاڪٽ رزاق صابر صاحب برايمويٽي کن نو بحر درشان کريئي ولي دا غٺ بحراء عربي و فارسي نا بحراتيئي تون
پورو پورو بهم وزن اري. هرانا درشاني اهي ڏاڪٽ صاحب تينت بهم کريئي پرا نا حواله زينما لين ٿي تروڪ. دا برايمويٽي
بحرآتا وزنك ٻرا عربي و فارسي نا بحراتيئي تون بهم وزن مريري، دنکه ڏاڙي ٻر برايمويٽي بحر ناشيف آوناعربي تقابلی
بحري تتنگ ٻراڙان اوشه بهم وزن منگ ثابت مریک.

- | | |
|-------|-------------------------------------|
| -i | مست فعلن مست فعلن |
| -ii | فاعلن فعلن فاعلن فعلن |
| -iii | فاعلاتن فاعلاتن فاعلاتن فاعلاتن |
| -iv | فاعلاتن فاعلاتن فاعلاتن فاعلاتن |
| -v | مست فعلن مست فعلن مست فعلن مست فعلن |
| -vi | مفاعيلن مفاعيلن مفاعيلن مفاعيلن |
| -vii | فعولن فعولن فعولن فعولن |
| -viii | فعولن فعولن فعولن فعولن |
| -ix | مست فعلن مست فعلن مست فعلن مست فعلن |

عروض نا علم عربي آن فارسي ٿي بس او ولدا فارسي آن اردو داده تينائي ڪرئے. اردو آن عروض پند کريسه
برايمويٽي شاعري ٿي تينكن ٻندجوڙ ڪرئے. عروض نا ايميت اهي پهه مريسه 1960 نا دهائي ٿي دانا بابت برايمويٽي شاعري
ٿي اسه ماحول اس نظر بريک ٻراڙي اسحاق سوز، احسن خاراني ، تراب لازکاني او گڙاس پين شاعر برايمويٽي غزل
ٿي عروضه رواج تتنگ نا ڪوشست کريسه نظر بريه -

"برایوئی غزل ٹی فنی ردث سرجمی نا شاپدی اولیکو وار 1960ء آن اسحاق سوز نا شاعری ٹی دو بریک" (Abdaal, 2018, p.139)

پندوا وخت ٹی پفتئی آخبار" ایلم" ٹی اسحاق سوز او تراب لازکانوی نا غزل آک شینک مریره پرافته زپها او فته بحرآک نوشته کننگانو، پرانا مسخت دا نشان تنگ ئس که ای باونزو شاعریه اٹ۔ اوکان پد برایوئی ادب اٹ شاعر آتا بھلو کچ اس درستی راستی مريک، پرافته گیشت عروض نا بابت ہے خبر اے، او فته شاعری ٹی پیره ردیف و قافیه نا التزام نظر بريک۔ ولدا 1990 نا دھائی ٹی ورنا شاعر اک اسه وار ولدا "شاعری ٹی وزن" نا بحث اے زنده کيره۔ ادبی مجلس و مشاعره نا محفل آتے ہم خاص وڑٹ شاعر آتا کلام تدقیدي نظرات پتنگیک۔ دا جار نا "وزن" نابحث سرجمی اٹ ارفنگیک پرا تینا وخت اٹ داخس اثر تھک که پر شاعرون نا بابت چاہنداری کن نت دو خلیک، او باقاعدہ وڑٹ عروض پیل کریسہ شاعری کیک، دا ردث کیسٹ نا دنیا نا اسه نمہ دارو پنس صابر ندیم ناذکر خاص وڑٹ بريک، پرا که مھالو پیره کیسٹ کن شاعری کریک، اودے بھرو وزن آن واخی الولے "وزن" نا شره" اودے "با وزنو" شاعرس جوڑ کرے، کیسٹ نا دنیا توں اوار اوفر اوفک ادبی پڑا ہم مونی بسورکہ دا وخت اسکان او فته شاعری نا اراکتاب پم شینک مسونو۔ صابر ندیم داسه عروض نا حوالہ اٹ اسه استاد سینا پندے تھک، اونا کئی شاگردک اوڑان عروض پیل کریسہ شاعری ٹی پن کثانو، سائر عزیز او فته ٹی اسه نمہ دارو پن اسے کہ پرا عروضی حوالہ اٹ تینا شاعری ٹی گچینو آزموندہ کرینے۔ دانوشت ٹی اونا کروکا عروضی تجربہ غاتا جاچ اے بلنگانے۔

5- تحقیق نا وڑو ڈول (Research Methodology)

دا تحقیقی نوشت "دیرو خا خر ٹی سائر عزیز نا عروضی تجربہ غاک" کن گڑاں تحقیقی وڑو ڈول ٹے کاریم اٹ اتنگانے، پرافتا کمک اٹ سائر عزیز نا عروضی تجربہ غاٹ تجزیاتی او تدقیدی نظرٹ پرکھنگانے۔ دا بنيا دی وڑٹ ادبی تحقیق سے پرادے کہ لائبریری تحقیق پم پانگیک۔ تینا کاریمے درشان کننگ کن بیانیہ طریقه (Descriptive) ٹے دوئی کننگانے۔ داریسچ آرٹیکل نوعیت نا ردث معیاری تحقیق (Qualitative Reserach) نا لڑت بريک۔ دا تحقیق اے اڈ تنگ کن ثانوی مأخذ (Secondary Sources) آتیا تکیا کریسہ ایسر کننگانے۔

6- دیرو خا خر ٹی سائر عزیز نا عروضی تجربہ غاک

شاعری کن وزن ضروری اے
ذکر کے بندغ که خن ضروری اے

زی نا شعر تینٹ پاش کننگ کہ شاعری کن وزن نا ارزشت انت اے یعنی وزن شاعری نا خن اے، ٹے وزن آ شاعری کورنگا بندغ نا مثیل ٹی اے کہ پرا جاگہ غائہوکر کنیک، دا شعر سائر عزیز نا اے پر فنی حوالہ ٹی گچینو تخلیق "دیرو خا خر" ٹی کرینے۔ اودے تینا دا فنی کمال آ فخر پم ارے پرا نا ذکرے او تینا شاعری ٹی جاگہ جاگہ کرینے۔ اسه جاگس دن پائک

سائز پمو بس شاعرے
بحرو وزن نا خواجه اے
(Sair, 2009, p.37)

پین تو پین سائز دا وزن نا شاعری کننگ اے اسه گواس، مل اس، مقابلہ اس تکیسہ تینا سر سہبی نا پڑو اے کیک او پائک

کرمبی ٹی دڑان نن وزن نا
ادبیا تا کستے گٹ کرین
(Sair, 2009, p.128)

یعنی سائزنا دعوی اے کہ او فک دا خس زیات کبین انگا وزن تے ٹی شاعری کرینو کہ ایلو شاعر اک دا وزن ٹے پرفنگ کپسہ، او فته کسرتے سائز کبین انگا وزن تے ٹی بند کرینے۔ پندنو دعواوس دا شیف نا شعر ٹی پم سائز کننگ۔

نا ملی اے شاعریک پہنچ پہنچ
پچیپیسے یار نی وزن تتو ننا
(Sair, 2009, p.118)

تینا استاد نا ذکرے ہم کریسہ نظر بیک کہ بھرو وزن اے ہیل تروکا اوڈے صابر ندیم اے۔
سیخا اے صابر جان نا
بھرو وزن نا شاعرٹ
(Sair, 2009, p.123)

وزن نا کڑمی ٹی داخس زیات سائز پیبانے که اودیے بھروون آن بیدس پین ہیچس نظر بفک، پین تو پین
سائزے اونا محبوب نا بالاد و ہائی ہم بحر وزن نا دروشم اٹ نظر بربک
ستب ایم ہم او وَتَدِیْ مفرو
وَرَتَث پورا غَرَلِ ما لنچ
(Sair, 2009, p.140)

صابر ندیم نا شاگرد سائز عزیز بم تینا استاد امیار فنی حواله اث بهاز بسّن خننگیک، فن تون اوar اوar
فکری حواله ٿی بم اوna شاعری نا کچ بڑے۔ او تینا اولیکو شاعری نا کتاب ”دیر وخارخ“ اث پرتوومه پڙتیا سر
سهب خننگیک。 وزن نا ردث اونا آزمونده گاک بهاز زیات او، ”دیر وخارخ“ ٿی او چل آن زیات وزن تا زیها شاعری
کرینه۔ یعنی دا وخت اسکان سائز عزیز کل آن زیات وزن تا زیها شاعری کروکا شاعر نظر بريک。 او نا پکرینگوکا وزن
ٿئي زیات مستعمل بحر آٿئ توں اوار اوار گڙاس پنندنو مشکلو بحر بم اریر که پرافتنه زیها اولیکو وار براپوئي ٿي
شاعری نظر بريک ڏنکه بحر متدارک مثمن مخبون ”فعُلنْ فَعُلنْ فَعُلنْ“ مشکلو بحر هئ انتئ که داڻي بيره
فالصله صغري یعنی پدريسه غامسه متحرڪ حرف تخوکو لوز استعمال مربره。

6.1 سائر عزیز اسہ پیندنو بحرس پم استعمال کرینے پرانا وزن اے او تینٹ "فَعَلْتُمَا فَعَلْتُمَا" پائک ، خنگیک که دابھر ٹی پدريسه غا پنج متحرک حرف بریره یعنی دا فاصله کبری غان پم مون نا گڑاسی انتئے که فاصله کبری پنج حرف او لوز مریره پرافته اولیکو چار حرف متحرک مریره ديسکه پنجمیکو ساکن مریک ديسکه داڑھ سائز زورت شش حرف او لوز جوڑ کرینے پرافته اولیکو پنج حرف متحرک او آو ششمیکو ساکن اے - شش حرف لوز آتون اوار اوار سائز پنج حرف یعنی فاصله کبری نا وزن تیا پم شاعری نا تجربه کرینے پرافته ذکرمنو بريک - داڑان بيدس بحر منسح مثنوں مطموی موقف مکسوف پرانا وزن "مفتعلن فاعلن مفتعلن فاعلن" اے ، دانا زنها پم سائز عزیز تجربه کرینے - دا بحرنا زنها اولیکو وار اسحاق سوز تینا کتاب "گروشك" ٹی شاعری کرینے پرانا ذکر زنها مسوخ - دا آزموندہ غاتیان بيدس سائز عزیز مستزاد غزل نا پم تجربه کرینے - اسحاق سوز نا "گروشك" امبار "دیر و خاخر" پم وزن نا خواست آئے مونا تخیسه تخلیق کننگے ولی راست انگا پیت دادی که "دیر و خاخر" ٹی خیال و فکر نا گشاد پم تالان اے ، دافن و فکر نا اواري "دیر و خاخر" ام گچینو کتابس جوڑ کرینے -

کسِرِ جتا سفرِ جتا
نظر ہمُو اثر جتا
امَنَ سے کن وطن زیر
لَبَرْ کبو شگر جتا
فعَلَّمَا وزن ننا
غزل سِنا پُنیرے جتا
تڑھے جغر بسہ چڑھے
گلم۔ٹی او دتر جتا
بِدَر بِدَر بِدَر عزیز
(Sair, 2009, p.23)

ظاہریے دا مستعمل او بحرس اف۔ عروض ناکتابیج ٹی دانا بابت معلومداری دُ بفک۔ ایلو پیت دا که برايسوئی زيان ٹی دُنو لوز اف که پرافک پدرسیه غا پنج منحرک حرف تخر، مُسہ منحرک تخوکو حرف تو دُ بريک

ولې پنج متحرک حرف او لوز دو بفک، پندا سوب اے که سائز عزیز زی نا شعر تے ٿی گڙاس لوز آتیا که ٻراڙے او فک ایس مریه، او فتیا حرکت نا علامت اے خلیسه او فتے متحرک کریئے۔ دُنکه لوز....کسر، اے، کسرے....سفر، ام، سفر....امن، اے آمن....وطن، اے، وطن....کننگاڻ - دُن تو سائر عزیز دا غزل ناوون اے "فعلَتْمَا فَعَلَتْمَا" پانگ ام دُنکه مستمیکو شعر ٿی نظر بننگ اے۔ ولے ایهن ذرس غور ڦپننگ تو دا غزل نا اوليکو شعر پورو پوروبجر کامل مربع سالم متفاعلن متفاعلن ٿی تقطیع مننگ ام یعنی که

کسرے جتا سفرے جتا
نظرے ٻمو اثرے جتا

لوزاک مدام متحرک حرف آن بنا مریه او ساکن حرف آا ایس مریه دُنکه لوز....کسر، سفر....نا....ک، س متحرک او او، ر، ساکن ام....انتئ کهر....آ لوڙاک گُٹنگ او ولے سائز داڙے آخريکو ساکن آحرف ام متحرک کریسہ او بروکا ايلو لوزتون اوار شاغسہ "فعَلَتْمَا" نا وزن ام ببریر کریئے ولے لوڙاتا نیامئی سکته بننگتی ام....کسرے، جتا....، نیام آن ارث مریسہ....متفاعلن....ناوزن آپورو بننگ ام۔ پورو پنج حرکت نا توار روانی او آسانی اٹ پیش تمنگ اف، پنج حرکت نا توار ڪشنگ کن زور خلوئی تمک، اسه کش اٹ پورو لوزے پاروئی تمک ٻراڙکن ساکن حرف آتا توار ڪیدوئی تمک، دانا سوب دادے که نن تون دُنو لوزاف پندا خاطران پاننگ وختالوڙاک ٻسماڙے پنره که ٻراڙے اسه لوزس پورو مننگ ام۔ اگه سائز عزیز نا وڙوڏوں ام دوئی کریسہ لوزآٿ ساکن آايسر مننگ کن ٻلنگپ تو گڙاڻک خلبون تون امرو امرو مرغونلوز مرور که ٻرافک پنج آن ٻم زیات متحرک حرف تخور دُنکه سائز لوز....کسر، ام، کسر....کریئے۔ داڙے نن بيره دا کينه که پندا غزل نا گڏیکو مصوع ام ٻلينه ٻرا که دُن
ٻدر ٻدر ٻدر ٻدر جتا

دا مصوع ٿی لوز"بدر" مسُه جاگه استعمال کننگاڻ ٻراڙے اوليکو او مستمیکو"بدر" نا ٻر مسٽ انگا حرفله متحرک کننگاڻ، ديسکه ارمیکو"بدر" نا گڏیکو حرف ساکن تخنگاڻ، تو نن بيره پندا ارمیکو"بدر" نار....ام ٻم متحرک کينه یعنی

ٻدر ٻدر ٻدر ٻدر جتايا گڙا دا مثال.....کسر سفر جغر ننا
يعني دوانزدہ حرف او لوز جوڙ مس که ٻرافکه اوليکو یانزدہ حرف متحرک او او دوانزدہ میکو ساکن ام۔ بهر حال سائز نا دا تجربه عروضی حواله ٿي ياد کننگ تومرے ک ولے دانا مستعمل مننگ ممکن اف۔

6.2 - دا شيف نا غزل تے بيو ٻرافته وزن" متفاعلن متفاعلن "آن خڙک خننگیک ولے دا غزل آک دا وزن ٿي افس انتئ که "متفاعلن" ٿي فاصله صغری، يعني پدریسہ مسُه حرکت تخوکو حرف مریه ديسکه چارمیکو ساکن مریک ولے داڙے متحرک حرفاك چارو، پنچمیکو ساکن ام ڀعني داڙے فاصله کبری کونو لوز استعمال کننگاڻ، غزل آک دُنو

چڙه خڙینکي ام وطن ننا
يره ٻراڙے مس دچه امن ننا
چووه ٻتم برو چوه برو خوشی
چَرَه زِرَابِ بس آمه چَمَن ننا
ٻُرْنَه چَلَن ام سَلِنَه آسَرَات
امرو زِيَبِ بَسَه مَش و دَمَن ننا
وطَن، قَوْمَنَا نَظَرْ شاعِرَات
ٻُرْنَه سَرَے امِه وزَن ننا
كَسِيَّه اف سَمَا اسو نَنَا عَزِيز
امي دَي نَنَا امي نَنَا
(Sair, 2009, p.25)

ٻُشَسَه أَسْتَنَا اَگَه كَه خَارِه
تَفَهْ گَلَمْ اَنَه سَمَنْدَرَه
ٻِتَمْ ٻِهُورَه اَمِه و شَنَزَه اَمِه

دم ئىس بىلسم اى دم ئىس جمرە
سفرە مرغنا بدىن دمدرا
آمه مرون سراگە كە دىگرە
تىنۇ تاكە دا وطن انقلاب
دېچە خىن خوشى دېچە امن برىءە
تغىر توپك اى تفبو سائىرە
قلم- زغم ېم قلم اسپرە
(Sair, 2009, p.34)

زى آول سرئى تروكا غزل نا وزن "فَعَلْتُمَا فَعَلْتُمَا" اى تو داغزى تا وزن "فَعَلْتُنْ فَعَلْتُنْ فَعَلْ" "منىڭـ
دا ئىچار متحرك حرف آتالاستعمال نظر بىرىكـ. دا وزن "فعلتىما" نا نسبت زيات روانى تىخك ، دا ېم سائىر نا عروضى
تجربىه غالىي ئى جوانو ودىكى اس حساب مريكـ مشكل پىند آك يقيندا دانا زىها طبع آزمائى كىرورـ.

-6.3 بحر متدارك مىمەن مخبون "فَعَلْنَ فَعَلْنَ فَعَلْنَ فَعَلْنَ" نا زىها تجربىه سائىر نا عروضى بىسى اى ظاپىركىكـ.
دا مشكلو بحر بىعـ، دا ئى بىرە فاصلەھە صغرى يىنى پدرىسەغا مۇسە متىحرىكـ ، چارمىيكو ساكن حرف آك استعمال
مويىرەـ. دا وزن آوللىكىو شاعرىي اى بىراكە برابۇئى ئى كىننگانـ. غزل نا رىنگ دۇزـ
امه زىب وطن دتىرى دتىرى
چۈزـ أست و خن دتىرى دتىرى
چوه بخت مرواء خوشىك بىرورـ
مفوـ اى امن دتىرى دتىرى
(Sair, 2009, p.94)

-6.4 سائىر نا دا شىف نا شعر تا وزن اى درست كىننگ آسان اف بېرانا درشانى اى او تىنېت كىننگ اىـ
بې تغىك پىر فېر خن تتو ننا
شاعرىك دولخى او نن تتو ننا
نا مىلى اى شاعرىك بېرىسىرە بېرسـ
پۇچىپسىسە يار نى وزن تتو ننا
سائىرـ اى چمن چمن زىتاب بېوغىـ
دېر دشمنى كىـ امن تتو ننا
(Sair, 2009, p.118))

امر كە سائىر عزيز تىنېت ارىئىميكو شعر ئىـ دادعوىـ اىـ كىننگـ اىـ "اونا وزن اىـ درست كىننگ آسان اف، دا
كارىم اث پىركەوكا نا مىلى بېرىسىنگىكـ" - سائىر عزيز تىنەدا دادعوىـ ئىـ بىر حق اىـ ، انتئـ كە حقىقت اث اونا منه غزل
آتابىحرە درست كىننگ آسان اف انتئـ كە عروض نا علم سمندر نا مىشىل اىـ، دا ئى مزاحف بحر آتاكچ حسابى اف
پىراكە جوزـ كىننگانو ولدا مونى ېم دا سلسەلە برجاـ كە عروض نا ماپىر شاعر خواجه غاک پوسكەنۋو پوسكەنۋو عروضى
آزموندە كىرىنۋاؤ كىننگوـ. مزاحف بحرسىنە وزن كىيئى بحر آتىيان پىش تىنگ كىك ولە اصل بحر پېراسىـ اىـ، دانا بىرە
تخليق كار شاعرىي معلوم مريكـ. دا ويل زيات تر امو بحر آتايـ چاپىنگـ اث پىش بىرىك بىراكە زيات مستعمل
افـ. بېر حال دا شىف تروكا شعر بېـ. مقطوع غان بىرا وزن آسانى ئىـ مونا بىنگـ اىـ او دۇنـ اىـ
سائىرـ اىـ چمن چمن زىتاب بېوغىـ فاعلن مفاععلن مفاععلن مفا / فعـو
دېر دشمنى كىـ امن تتو ننا فاعلن مفاععلن مفاععلن مفا / فعـو
بىندىن لىگىك دا وزن بحر بىزج مقبوضـ "مفاععلن مفاععلن مفاععلن مفاععلن" نا وزن ئىـ پىن زحاف نا عمل
كىرىسى دوئى كىننگانـ، يىنى بنا ئانا "مفاععلن" نا "م" اىـ حذف كىننگانـ، ولدا آخىرىكىو "مفاععلن" نا "علن" اىـ تىيى
حذف كىننگانـ تو جتاۋ وزن اس مونى بىـ سېرائى دا غزل نوشته كىننـ. بىندىا غزل نا ايلو شعرك ېم بىندىا وزن ئىـ تقطىعـ
منىڭ كىرەـ.

ایلو دا که بحر متدارک مثمن سالم "فاعلن فاعلن فاعلن" نا پارغا ہم شک کائک که مننگ کیک دابحرناولیکو مسہ رکن آئے اسہ ساکن ودیفسہ دادیے "فاعلن فاعلن فاعلن فع" او آخریکو رکن اے "فع" کننگا، دا بحری ہم غزل ناکل شعرک پورو پورو تقطیع مریبہ - او دا وزن زیات درست خننگیک ولے اصل بحر نا بابت معلومداری "اردو غزل میں عروضی تجربات" کتاب آن دُوبس کہ دا بحر اصل اٹ بحر رمل "فاعلاتن فاعلاتن فاعلاتن فاعلاتن" نا زحاف ایسے پرانا پن او وزن

"بحر رمل مثمن مکفوف مقصور الآخر" فاعلات فاعلات فاعلات فاعلات

(Sarosh, 2016, p.230)

ارے-ولے ننا وزن آخریت "فع" ایسے پڑاں ننا وزن "فاعلات فاعلات فاعلات فع" جوڑ مسوونے، تو داسه دانا پن یقیناً دیخس بدل مریک پڑاں کن نئے رمل "فاعلاتن" نا زحاف ایسے پڑوئی مریک کہ اوڑاں "فع" امر دوئی مریک او اونا پن انت مریک ؟

"سالم رکن"فاعلاتن"ئی ارا زحاف" قلع و حذف "نا عمل آن، قلع غان وتد مجموع "علا" کشنگا، او حذف آن سبب خفیف"تن" ساقط مس تو "فا" سلیس پرادي "فع" کننگا۔ مزاحف اے مقلوع محدود نا پن تتنگا۔" (Siddiqi, 2006, p. 78)

داسه بحر نا پن او وزن دا مریبہ

بحر رمل مثمن مکفوف مقلوع محدود فاعلات فاعلات فاعلات فع

پرحال سائر نادا عروضی تجربہ براپوئی غزل ٹی اولیکو وار نظر بریک۔ دا اسہ گچینو وزن اس خننگیک اگه دانا کل رکن آئے فاعلات کننگ یعنی پڑاں کن اے "فاعلات فاعلات فاعلات فاعلات" کریسہ تجربہ کننگ تو گچینو تخلیق مونا بننگ کیره ، گڈیکو رکن فاعلن ہم مننگ کیک امر کہ پڑ بھرت دانا اجازت مریک کہ آخریت اسہ ساکن اس وڈنگ -

-6.5- شیف تروکا غزل نا وزن ارادکن متفاولن او رمل ٹی زحاف نا عمل آن دوئی مننگ کیک۔

دا وزن "متفاولن" اٹ زحاف نا عمل آن ہم دوئی مننگ کیک پڑاں "سالم رکن"متفاولن" ٹی زحاف ترفیل آن آخریکو رکن وتد مجموع ٹی اسہ سبب خفیف اس ودینگا پڑاں "متفاولن...متفاولن" جوڑ مس پرادي "متفاولن" اٹ بدل کننگ۔ زحاف مرفل پاننگا۔" (Siddiqi, 2006, p.103)

او بحر نا پن "بحر کامل مربع مرفل متفاولن متفاولن" جوڑ مس - شیف نا غزل پندا بھرت ہم تقطیع مننگ کیک۔

متفاولن	متفاولن
فِعَالاتِ فِعْلُن	فعلاتِ فعلن
امه رد کرینس	کسَرَان تینا
مله فائدہ آل نَظَرَان	تینا
گمَرِی نَتے مولا گَمَرَان شاغو	
گمَرِیک تمر گَمَرَان تینا	
امه فرق سائر بدرث عزیز	
کہ بَرِیک گَنَدَس دَرَان تینا	

(Sair, 2009, p.124)

وزن اے پاش کننگ کن سائز عزیز غزل نا زیها منه لوڑاتیا خاص ورڑت حرکت ناعامت آئے خلکوئے دُنکہ لوز"کسَرَان، نَظَرَان، گَمَرَان" ٹی نظر بننگ اے تانکہ وزن اے درست کننگ اٹ رد مف انتئے کہ لوڑاتا نیامت مچٹ وقفہ تتنگ آن بحر بدل مریک او "فعولن فعولن فعولن" نا وزن آبریک دُنکہ اولیکو شعرت لوڑاٹ ٹی وقفہ تتنگ آن بحر متقارب نا وزن دوئی مریک یعنی

- 54 -

امه رد فعولن کرمه نس فعولن.... کسر آفعولن.... نته نا فعولن
 مله فا فعولن.... ئده ال فعولن نظر آفعولن.... نته نا فعولن
 ولے دانا وزن متقارب مثمن سالم اف انتئ که چارمیکو مصوع ٹي لوز "گمربیک" دا گڙا اه پاش کننگ اه که داڙم و تد
 مجموع بننگ اف بلکن فاصله صغري بننگ اه - بحر آٿئ ٿي زحاف نا عمل آن کيئي وزنك جوڙ مريره بهاز وخت دا
 بحرآ تا وزن است ٻيم مریک بيره افاعيل آڪ بدل مريره. تو دا زينها بحرنا وزن " فعلات فعلن فعلات فعلن " ٻيم
 مننگ کيک پراکه فاعلاتن ٿي زحاف نا عمل آن جوڙ مریک.

"شكل، فعلات": شكل مركب زحاف ايسه پراکه خبن او کف نا اواري آن عمل کرينه -
 سالم رکن "فاعلاتن" ٿي اوليکو سبب خفييف "فا" او گڏيکو سبب خفييف "تن" نا
 ساكن آڪ تمار، سليس "فعلات" مزاحف مشکول پاننگا -
قلع، فعلن:- قلع زحاف آن "فاعلاتن" نا وتد مجموع پيش تما، سليس "فاتن" ٻراديم
 ("فعلن" ٿي بدل کننگا. مزاحف مقلوع پاننگا.) (Siddiqi, 2006, pp.75-78)

-6.6 بحر متقارب مثمن مقبوض اثرم فعل فعلون فعل فعولن نا وزنے آخرث "فعولن ناجاگه غا فعول" کريسه
 سائر داڙا جوانو تجربه اس کرينه ، آو تينا استاد صابر نديم امبار شعوري وڙڻ ٻر مصوع نا آخریکو لوز ۽ "فعول"
 نا وزن آبرپر تخانه حالانکه داڙا ٿي آخريث "فعو" نا برپر وزن تخوکو لوز نا استعمال نا اجازت مریک ولے سائز عزيز
 ٻيم وزن نا مکمل پابندی اه کرينه پراڙان بهاز وخت خيال نزور ٻيم مریک اڳه فعلون نا برپر لوز ملئ تو، ولے سائر تينا
 دا تجربه ٿي سرهب خننگيک. اونا وزن آو خيال پڙتوماک ٻيم کوپه او. غزل دُن اه -

پين هتم يا پين بهار
 ديك پئنينا داسه پئنار
 درڏ نا سيخا برف مثال
 سيل نا ده تا يخنا پار
 مهرنا موسم دُنکه سهيل
 پن اٺ اسيئه مج ڏغار
 آئيد نانوک اه آئيد ناشام
 رنگ گلابي جام خمار
 جمراء شوخا ٻوره گروك
 دُنکه پرس که پال تلار
 سائر-پا سائر نا غلام
 نفس نا رنڌ مسنه خوار
 (Sair, 2009, p.41)

-6.7 سائرينا إرا غزل اسه پيندو بحر سه ٿي اير پراکه لس وڙڻ استعمال مفك. دانا اسه جتاو وزن اس
 خننگيک داڙا گمان مریک که سائر تيٺ تجربه کريسه پوسکنو آپنگ اس مونا ايسوڻ. اونا غزل آڪ دُنو.

6.7.1- دير وختس که ٻينا کائمان گدرينگا..... فاعلاتن فعلاتن مفاععلن فعلن
6.7.1- پيت ٻيتان ٻينا پر گمان گدرينگا..... فاعلاتن فعلاتن مفاععلن فعلن
6.7.1- حق نيازيک وڙڻ خواپرہ نرينه نا..... فاعلاتن فعلاتن مفاععلن فعلن
6.7.1- داسه نا زال ٻينا بلسمان گدرينگا..... فاعلاتن فعلاتن مفاععلن فعلن

6.7.2- ٻلمه اه وختنارفتار اسل حاجت اف. فاعلاتن فعلاتن فعلاتن فعلن

6.7.1- تيز مس دور ٻينا پر سمان گدرينگا..... فاعلاتن فعلاتن مفاععلن فعلن

6.7.2- وخت پرگام نه پنت سبخ سائر تس فاعلاتن فعلاتن فعلاتن فعل

6.7.1- زند پر ويل سينا موسمان گدرینگا..... فاعلاتن فعلاتن مفاعلن فعل (Sair, 2009, p.136)

6.7.1- کسکنک تينکه وايلو تا زندگي مسن..... فاعلاتن مفاعلن فعل

6.7.1- غت بشخان خوشى نن و پچوشى مسن. فاعلاتن فعلاتن مفاعلن فعل

6.7.1- بد باريم تxa شاعري ننا رى آ... فاعلاتن فعلاتن مفاعلن فعل

6.7.1- راج نا عقل و خن أست با دوى مسن... فاعلاتن فعلاتن مفاعلن فعل

6.7.2- هېيج ساپان كه ارفين گزا دم تىن... فاعلاتن فعلاتن فعل

6.7.1- پالنا خن تا وېوکا ېمو پېرى مسن.... فاعلاتن مفاعلن فعل

6.7.1- علم سى عشق سى ياشوق سى غزل لکھنگ. ... فاعلاتن فعلاتن مفاعلن فعل

6.7.1- چنكى آن قلم تون دولخي مسن.... فاعلاتن فعلاتن مفاعلن فعل

6.7.1- احمد اسن و عزيز اسنه چنكى ئى..... فاعلاتن فعلاتن مفاعلن فعل

6.7.1- داسە سائر نا پنا نن ولې پنى مسن.... فاعلاتن مفاعلن فعل

(Sair, 2009, p.28)

دا بېرۇتمە غزل تا پىچىميكو مصرع غاك ، او اوليكو غزل نا مقطع نا مصرع اولى يعنى بېفتىميكو مصرع "بەر رمل مثمن مخبون محدوف فاعلاتن فعلاتن فعل" نا وزن ئى او- ديسكە ايلو غت مصرع غاتا وزن فاعلاتن فعلاتن مفاعلن فعل

بەرمىجىث مثمن مخبون محدوف نا وزن مفاعلن فعلاتن مفاعلن فعل ئى - پىندىن لگىك سائر دانا اوليكو "مفاعلن.... ئى فاعلاتن" ئى بدل كرە ، او ايلو مۇسە بشخ ئى پىندىن تخىسە "فاعلاتن فعلاتن مفاعلن فعل" نا وزن ئى دوئى كريسه عروضى تجربىه اس كرە- ولە اوژان مۇسە مصرع بەر رمل مثمن مخبون محدوف نا وزن ئى امر پىنار ، داڑا كاڭم تىپك انتىئ كە داڙىئ نئە تىكىن آۋئە تەخنىق نا عمل نظر بىرىك- ولدا دا بېرۇتمە وزن تا آپىنگ ئى چنكى فرق اس بېم نظر بىرىك بېرا وخته مصرع غانە روانى ئى خوانىنگ تو بېرا بەر رمل نا آپىنگ ئى ، ايلو آپىنگ تون بېريرآپىنگ تەخپىك، رمل نا آپىنگ نا روانى بەهاز گچىن ورۇت پانىنگ ات بىرىك بىنلىك پوسكنا آپىنگ نا- روانى تو دا پوسكنا آپىنگ بېم تەخك ولە حركەت و سکون آتا مچىش ردو بدل آن بېرۇتمە آپىنگ آك پورو ورۇت اوزىدە مفسە- بېرحال دا اسە بىن گچىنۇ تجربىه اس سائر عزيز عروض نا حوالە ئى كىرىنە ولې بېم مۇسە مصرع نا وزن بېم بېرير مرسىر تو گچىن ئىس-

6.8- سائر عزيز ئى تىندا عروض دانى ناجوانىكىت سما ئى ، او دانا ذكرى ئى دعوا ئى بېم "دېر و خاچى" ئى جاگە جاگە كريسه نظر بىرىك، ايلو دا كە اودى عروض نا اېمىيت آن بېم سما ئى پىندىدا سوب آن وزن نا بابت اونا شاعرى ئى گۈراس شعر بېم نظر بېرير دۇنکە

ملە سائز بە مغزا ئە تە زىرس

وزن ئە پاپ كە دا بې وزن

(Sair, 2009, p.44)

دا شعر بەر رمل مسدس مخبون محدوف "فاعلاتن فعلاتن فعل" نا وزن ئى- سائز دا غزل نا كل مصرع غانە "فاعلاتن" آن بنا كىرىنە اگە كە دا بەر ئى دا گزا نا اجازت مرىك كە اوليكو رىك "فاعلاتن" بېم منگ كىك-

6.9- بەر خليل مريم سالم" مفتولەن مفتولەن" (بەر متدارك مثمن مخبون مقطوع فاعلن فەعل فاعلن فعل نا وزن بېم پىندادى) آمنظور بلوچ نا تجربىه غان پد سائز بېم دا بەر نا زىها عروضى آزموندە دا ورۇت كىرىنە -

بے خبر مفه بے جغر مفه
خن زمانه اے ، بے نظر مفه
سنگتی کرک ایلمی کرک
دشمنی تے اٹ بے کسر مفه
(Sair, 2009, p.19)

-6.10 بحر بسیط مثمن مطوى" مفتعلن فاعلن مفتعلن فاعلن "او بحر منسح مطوى مكسوف" مفتعلن فاعلن مفتعلن فاعلن" نا وزن است اے- دانا زپها اولیکو وار سوز صاحب"گروشك" ٿي مُسه غزل نوشته کرينه- اوکان گڏ سائر عزيز ٻم دا بحر نا زپها نوشته کرينه - نمونه کلام دُن اے

زغم ننا شاعرى چرت ننا انقلاب
کوک ننا بڙ ٻم پانه سدا انقلاب
ندر مرئے جون ٻم چرت نئے اف اسل
دير دتر ايتنه ، خوانه پدا انقلاب
(Sair, 2009, p.26)

-6.11 بحر رمل سالم نا استعمال دakan مُست سوزنا"گروشك" ٿي خننگيک، ولدا سائر عزيز ٻم پندا بحر ڻ
غزل اس نوشته کريسه فني حواله ٿي سوزتون ٻم کوپه مسوڻ-دا بحر دا خاطران پام خنپك انتئ که دانا سالم وزن
ٿي ٻمو رواني اف ٻرا که دانا مزاحف وزن تے ٿي ارئے ٻندا سوب دانا سالم وزن مستعمل اف ولے واهم عروض آ
عبور تخوکا شاعراك داڻا طبع آزمائی کيره- فاعلاتن فاعلاتن فاعلاتن نا وزن آسائر نا نوشته غزل نا لارا شعر
شيف تروکو-

مهرنا ماڙيک طوفانان نفترت نا درِنگو
بس شرابا کو بدی نا ٻر اسے أستے وڙنگو
سائنا دشمن اريک ڄله نا ملاک سائر
تینا بازو تے او تينث بے سمائي ٿي تڙنگو
(Sair, 2009, p.76)

-6.12 بحر رجز سالم نا وزن" مستفعلن مستفعلن مستفعلن مستفعلن "ٻم سائر نا اُستادي نا شرف خنان-
اسه غزل اس دا وزن ٿي ٻم نوشته کرينه-

بيگانه تو بيگانه اے تینا ولے تینا مفك
دریا اے نې پوڻو خنس پوڻو ولے دریا مفك
سائر عزيز اے پهه کبو دولئه تینا خلقنا
او ساده اے پچ سمجھپک ٻيتانے پهه ختنا مفك
(Sair, 2009, p.109)

-6.13 بحر پنج مثمن مقبوض نا مشكل وزن" مفاععلن مفاععلن مفاععلن مفاععلن آ ٻم سائر نا غزل اس
"ديروخاير" ٿي ساڙي اے- بحر مشكل اے ولے موسيقيت آن پُر اے- سائر نا آزمونده دُن-

ڏڏينگسه که بے سما تهار سے نا رندڻي
شكار مسنس امر شكار سے نا رندڻي
ملاس ائدشت عمرنا هبتم نا مهرختنه نے
که گواڙ خاڻ پئه بهار سے نا رندڻي
(Sair, 2009, p.79)

6.14- چنکا بحر تے ئى اسه جتاۋ وزن اس " فعلۇن مفاغىلەن " نظر بىرىك پېرائى ساڭر غزل اس نوشته كېيىھ- دانا وزن "مستفعلن فعلن" بېم مننگ كىك - دا بېرۇتومە وزن تے ئى حرفاتا حرڪت و سکون است اىھ- اولىكى وزن بېزج ئى زحاف نا عمل آن، او اۋرمىكى رجز ئى زحاف نا عمل آن دوئى مننگ كىك-

زندگی وفا افک
موت اے دوا افک
دنیا بھائی مس
شوک اے بھا افک
(Sair, 2009, p.40)

6.15- بحر مجتث مثنمن مخبون محنوف مفعلن مفعلن فعلن برا که برابوئی شاعری کن اودیم او بحر س حساب مسوکه ولے داسه داراً شاعری نا کچ زیات خننگکیک. اسحاق سوز، امیر الملک مینگل، نادر قمبرانی، و حید زپر، عزیز راپی، منظور بلوج، اقبال ناظر، عارف ضیاء، صابر ندیم او پین پین تا تخلیق آک دا بحرث نظر بریره پهراتیان دا بحر برابوئی شاعری تون جوانیکت درستی راستی مسوون، انتئ که دا بحر بهاز روانی تختک، خیال آک جوانیکت داٹی نظم مریره، پندا سوب آن دا بحرنا برابوئی شاعری ٿی پین زیات استعمال نا امکان نظر بریک. برابوئی شاعری نا بھلا بھلانگ دا بحرث شاعری کیر تو گڪڻ سائر عریز پېرائڻ پد سلنگ خوابک دیسکه او ناغٺ پام پوسکن وزن تیا شاعری کننگ نا مرے. بحر مجتث ٿی اونا تخلیق نا نمونه ڏڻے

چنا چنا ٹی ننا چرت انقلاب اتیک
ننا تو فکر گڑا دشمنا عذاب اتیک
بہزار بہیت ندے آہرا تخار ہینار
ننا تو چُپی پہمو تیکه صد جواب اتیک
(Sair, 2009, p.117)

۱۶.۱- مستزادشاعری نا پیمو قسم ایه که بپرائی غزل یا ریایی نا پیر مصرع نا آخریت اسه چنکو بشخس پین اوar شاغنگیک. دا اسه قسم نا عروضی تجربه اس پم حساب مریک انتئ که بپرا بحرآ غزل نوشته کننگیک، تو پیمو بحرنا زا وزن آخیرت دیخس پین بهلن کننگیک یعنی مثال کن اگه "فعولن فعولن فعولن" نا وزن آغزل اس نوشته کننگانه تو پیندا وزن نا ایسر مننگ آن گد اسه یا إرا "فعولن" پین زیات کننگیک یعنی "فعولن فعولن فعولن" گد سرت اسه فعولن اس یا إرا فعولن و ديفنگ یا گڑا فعولن فعولن کننگ، دا شاعر نا مرضی آ مریک. زیات تر دا زیاتی آ بشخ ایه مصرع غان ذرس مُزنوشه کننگیک دُنکه زیها چار فعولن آن پد پنجمیکو او ششمیکو فعولن ایه دیخس گشاده نوشته کننگانه خوانوکاله سما ته که دا مستزاد غزل ایه، نه تو پیمو غزل نا زیها مستزاد نوشته کریسه پاش کروئی مریک - زیاتی آ بشخ زیات تر تینا مصرع تون پم ردیف و پم قافیه مریک، ولے اگه مف پم تو پیچو پابندی اس اف، وختس جتا ردیف یا قافیه پم تم خنگیک - ایلو دا که زیاتی آ بشخ ایه مصرع غان کشنگیک پم تو مصرع نا معنی آ پیچو فرق اس تمیک ولے اگه مصرع ٹی اوar کننگ تو مصرع نا بشخ اس خنگیک.

"دا اردو فارسی شاعری نا اسه صنف ایسے۔ غزل مرے، مسمط یا رباعی، دافته ہر مصعر نا گڈ سرات اسه پش اس پیمو خاص انگا وزن اٹ ودیفنگیک۔ دا پش پم قافیہ پم مریک، دیسکه جتا قافیہ ناپم مننگ کیک"

"بیئت نا ردث دا شاعری نا اسه صنف اسے۔ رباعی نا پېر مصري نا مقرر وزن نا گڈ سره اسه پین بشخس اوار کننگيک پرا که قافيه او رديف نا ردث پېمو مصري نا پېم رنگ مريک، ول داسه رباعي نا قيذ اف، پېر صنف اړه مستزاد کننگ مويک۔ يعني مصري نا اصل وزن ختم مننگ آن پد اسه إرارکن نا ٹکراس پېر مصري غان بيدس اوar کننگ مستزاد پاننگيک"

سائر نا مستزاد غزل آک برابوئی شاعری ٿي گچينو تجربه سينا ردث مونا بريه۔ ”دiero خاخر“ ٿي چار مستزاد غزل نا تجربه ٻم کننگانه پرافتیان است ٻندا زپينا وزن يعني بحر مجتث مثمن محبون محدوف مفاعلن فعالن مفاعلن فعلن ٿي اه پرانا آخر ٿي ”مفاعلن فعلن“ اس زيات کننگانه۔ نمونه دُنے

ببو اوar مبو داخه تار تار مفن	پُرن شكار مفن
کڙو کڙاو وَکندى ئسيناخوار مفن	عذاب خوار مفن
بكار ايлем تينا دمس برين پُرن	خوشى مرين پُرن
وَ بيره پين گُرٽى گم و گار مفن	که به چكار مفن

(Sair, 2009, p.103)

بحر متقارب مقوبض اثلم مثمن فعول فعلن فعالن نا آخر ٿي فعلن فعلن نائڪرس خليسه دا بحر ٿي ٻم سائر مستزاد غزل اس لکھائے، وزن تون اوار اوار دا غزل اث إرا قافيه تفنجنگ نا تجربه ٻم نظر بريک۔

ارين زنده دُوا دُوا ٿي	دوَا دَوَا ٿِي
ننه كسفك دغا دغا ٿي	جفا جفا ٿي
كه زيب نى اس چمن چمن نا	وطن وطن نا
زياد نا اه ہپوا ہپوا ٿي	گڑا گڑا ٿي
پينا جوانى گلى گلى ٿي	نمى نمى ٿي
پُشان زندى خطأ خطأ ٿي	سزا سزا ٿي

(Sair, 2009, p.30)

البحر متقارب مثمن مقصور فعلن فعلن فعلن فعلن تون فعلن فعلن نا بشخ اس وديفسه سائر عزيز مستزاد غزل اس نوشته کرينه۔

جهانان ده اس ٻنويٽي مريک	رڙوئي مريک
عمل توشه جوانو كروئي مريک	دروئي مريک
ارے مرڪ چا زيار نا پياله ئس	خرينو دمس
گلم غٽ اوڙان الوئي مريک	كنويٽي مريک

(Sair, 2009, p.110)

مفاعيلن مفاعيلن فعلن ... مفاعيلن فعلن نا وزن آسائرن اسه پين مستزاد غزل اس ”دiero خاخر“ ٿي نظر بريک

وطن خوابك نه اث پاسباني	وطن نا مهرواني
وطن نا ويل تينا ويل چاني	وطن نا مل جاني
ننا چلتمن ننا بولان زبيا	ننا شاشان زبيا
ٿرو چڪل تو بوئو تون کاني	خدانا راز داني

(Sair, 2009, p.112)

-6.17- بحر مشاكل مكروف مقصور ”فاعلات مفاعيل فاعلات مفاعيل“ که پراڻا اوليڪوشاعري سوز نا نظر بريک۔ منظور بلوج، حميد عزيز آبادي نا آزمونده غاتيان پد سائر بيم دا بحر ٿي تينا فن اه جوان وڙڻ درشان کرينه۔

نوجوان سفر کيس مزلان خُلپيپس	امتحان مرئے سخت مشكلان خُلپيپس
حق پا ش گڙا کيس ظلم ظلم صفا باس	مهرowan برئے موتقاتلان خُلپيپس

(Sair, 2009, p.132)

-6.18 بحر پنچ مثمن اخرب مکفوف محنوف / مقصور مفعول مفاعیل فعولن / مفاعیل نا وزن آہم سائئر نا ارا غزل ملره- مفعول مفاعیل مفاعیل مفاعیل نا وزن آنوشه غزل اول مصوع آن تا گڈیکو مصوع اسکان آخریت مقصور یعنی مفاعیل تختنگا، محنوف یعنی فعولن نا استعمال آن پریز کننگا- دا وڑنا پابندی تے نن سائر نا استاد صابر ندیم نا شاعری ٹی زیها مطالعه کرینون تو اوانا شاگرد ہم تینا استاد امبار وزن نا پورو پابندی اے کریسے نظر بريک - غزل دُنے

اث ويل سهن دڙد سهن خل سهن پين
شولان دتر بهاز دتر اخه شلن پين
وختاک ٻٿر جال تفر قيد اگر کير
زنجيک تو کشكور اگر زور تختن پين
تيدار تتو شين تتو بخت مفك غاو
دا زند- دتنيت خژينك ٽ و پشن پين
خوشيك مفس بهازمفك بهازغمورت
پوغون گڙا بهاز اگر بهاز مخن پين
پر جل تهاريک ڏغاران مڙنگور
بننگ ٻمو وخت سلن ديخه پُرن پين
سائز تو دنو لوز دنو پيٽ پراكان
خر مهر مفن مهر چڙه مهر خن پين
(Sair, 2009, p.85)

دُنکه خننگيک که مصوع نا گڈیکو لوزاک "پين، کير، غاو، چرت، مڙنگور، پراكان" مفاعیل نا وزن آبرپر تختنگانو- پندا وزن آخیرت فعولن تخيسه ہم سائز غزل اس نوشته کرينه-
پر پهل گلابان ارے گند دتر نا
پر بوج و چابان ارے گند دتر نا
گيرام فلسطين ٽ کشمیر که سائز
پر داڙے زرابان ارے گند دتر نا
(Sair, 2009, p.92)

-6.19 بحر مضارع مثمن اخرب مکفوف" مفعول فاعلات مفاعیل فاعلن "نا وزن آہم سائز تجربه کرينه
ایلو ده غمتے گم که به گوادر که غم کنин
لهم ڏغار نا گد و چادر که غم کنин
چاغي اے دُنکه ايٽنے أستا تيا پدا
ڏئي ٿئ سُرا پدا اے خاڪر که غم کنин
(Sair, 2009, p.139)

گڈیکو مصوع "ڏئي ٿئ سُرا پدا اے خاڪر که غم کنин" ٹي سکته بننگ اے- "اے اے خا" اث بيري "آيixa" یعنی مفا نا توار پيش تمنگ ، فاصله صغري یعنی مسہ حرکت نا توار پيش تمنگ اف- داده "ڏئي ٿئ پدا سُرا" ڈئي خاڪر که غم کنин" یا "ڏئي ٿئ پدا سُرا اع خاڪر که غم کنин" کننگ آن وزن بريز مریک- داڙے تختنیق نا عمل مننگ کپک انتئے که ولدا بحر بدل مریک یعنی "مفعول فاعلاتن مفعول فاعلن" پراکه تينت جتاو بحر سے-

-6.20 متدارک نا مزاحف" بحر متدارک مخبون مسكون فَعْلَنِ فَعْلَنِ فَعْلَنِ "نا تجربه ہم اوليکو وار برايموي غزل ٹي نظر بريک پرادھے سائز عزيز کرينه- داڻي اوليکو، مستميڪو فعلن نا "ع" متحرڪ ديسڪه اريٽميڪو، چارميڪو فعلن نا "ع" ساڪن بلنگا، آو تيوى غزل ٹي وزن نا دروشم بنداده- برايموي غزل ٹي دا وزن نا اوليکو وڙڪ ملره براڙے فعلن نا "ع" اے شعر نا ضرورت نا ردد جاگڪس متحرڪ و جاگڪس ساڪن کننگا، دا فعلن زيٽ ترا چارميڪو، مستميڪو او چارميڪو مسوون، اوليکو فعلن نا مثال کم اے، ولي سائز عزيز دا ردو بند اوليکو وار استعمال کرينه پراکه اسه جتاو عروضي تجربه اس پاننگ مریک-.

ہئَمُو توبِيْ غَرَلِ مالنج
 دُنِيَا تِيْ بِيْ بَدَلِ مالنج
 مَفَرُوسِس او مَتَوِيَّه اى
 آبَدِيِه شينے آرَلِ مالنج
 سَبَب اِيْ بِم اوَوَتَدِيِه مفروق
 وَرَيَّث پورا غَرَلِ مالنج
 دُنْ زِيَائِي چَمَنَاه اف
 دَرِيَا تِيْ كَنَولِ مالنج
 تِنِيَا تِيِنَا بَدَلِ تِيِنِيَت
 وَطَتَت سَائِر اوَلِ مالنج
 (Sair, 2009, p.140)

زیهنا غزل ٹی گڑاس لوزآتے ٹی وزن نا خواست نا ردث ساکن حرف آتیا اعراب خلیسه اوفتحے متحرک کننگاڻ
 دُنکه ”دنیا، تنيا، دريا“ نا ارٹمیکو حرفاتے متحرک کننگاڻ. دا گڑا سائر نا شاعری ٹی زیات خننگیک. - بنجابی وڑٹ
 پیت کننگ تو داعمل گڑاس شاعری ٹی نظر بریک که جاگس مشدد حرف سے نا شدھے ختم کننگاڻ، جاگس
 غیر مشدد حرف سے آشد خلینگاڻ، جاگس متحرک حرف سے ساکن او جاگس ساکن حرف سے متحرک کننگاڻ وله او
 ہم بهاز مجبوري نا حالت اٿ، زیات تر لوزآتا دروشم اے خراب کننگپک امر که سائز عزیزنا شاعری ٹی خننگیک.- سائر
 عزیز پهراڙے که مشکلو وزن اس استعمال کیک تو تینا مرضی اٿ لوزآتے متحرک او ساکن کیک پهرا که اونا بابت
 جوانو تاثرس ٻلپک انتئے که مشکل پسند مننگ نا مطلب ہم پسندادے که ہندنو لوز استعمال کننگ پهرا فته اصل
 تلفظ خراب مف، اڳه پهراڙے لوزوزن نا مطابق بننگ اف، اونا حرکت وسکون آٿے بدل کریسه وزن
 اه بپیر کننگ تو گڑا پیچو لوزس تینا اصل دروشم اٿ سلپرواھ، پرشاعر امر که خواهی، پهراڙے ائینگ تو لوزآتا
 دروشم اهے بدل کے تو گڑا او ہم مشکل بحر تئي شاعری کننگ کیک، تولدا سائر عزیزنا عروضی لائخی
 حساب اٿ ہم بفرو، تو ضروري اے که سائز عزیز دا عیب اه تینا شاعری آن کش، اونا عروضی لائخی بیشک ستا
 کڑک ولے لوزآتا دروشم بدل کننگ آن ہم بیدس او جوان شاعری کننگ کیک تو بايدے که ہندن کے۔

سائز عزیز ”دیروخار“ ٹی زیات مستعمل بحر آٿے بحر پنچ مسدس محدود مفاعیلن مفاعیلن فعلن
 آکل آن زیات 12 غزل نوشته کرینے. بحر رمل مسدس محدود فاعلاتن فاعلاتن فاعلاتن فاعلاتن فاعلاتن فاعلاتن
 فعلن نا وزن آو غزل دیسکه بحر خفیف مسدس مخبون فاعلاتن مفاعیلن فعلن آشش غزل نوشته کرینے. بحر کامل
 مثمن سالم ”متفاعلن متفاعلن متتفاعلن“ اوڙان سلیسوڻ دیسکه ہندنا بحر نا ارا رکنی وزن ”متفعالن
 متفعالن“ آغزل اس نوشته کرینے۔

7- کهٿیا:

”دیر و خاڪر“ ٹی سائز عزیز نا شاعری فکري حواله غان زیات فنی حواله ٹی یات مریک انتئے که اوفتحے
 زیات تر پام عروضی حواله ٹی بحر آتا زیها مسوون که او فک ہندنو بحر تینا شاعری ٹی استعمال کرینو پهرا فک اوليکو
 وار براپوئی شاعری ٹی نظر بریه دُنکه ”فعلتما فعلتما“ نا وزن پهرا که گم گار و بحر سے، ولے سائز دانا زیها ہم شاعری
 کرینے- دا بحر ڈپریسے گا پنج متحرک حرف تھوکو لوز استعمال کننگ دیسکه براپوئی ٹی دنو لوز کاڻم آن اف
 - ہندنا سوب آن دُننگا تجربه گاک فنی حواله ٹی بود کپسہ، دافک بهاز گونڏ سلره، دا بحرنا زیها شاعری سائز کرینے
 ولے پین کس نا دا بحرنا زیها شاعری نا امکان کم اهے انتئے که بهاز مشکل مریک دُننگا وزن کن لوز پننگ ولدا اوفتحے
 استعمال کننگ- دُننگا مشکل بحر آٿے زیات تر خیال نزور مریک بیهه فنی حواله ٹی گڑاک حساب کننگه. داڙان
 بیدس سائز ايلو پهرا مشکل بحر آٿے استعمال کرینے اوفتحے ٹی ”فعلٰئُنْ فَعَلْ فَعَلٰئُنْ فَعَلْ“ ہم اري سے ، داڻي چار متحرک
 حرف آتا استعمال نظر بریک- دا وزن ”فعلتما“ نا نسبت زیات رواني تھک، دا ہم سائز نا عروضی تجربه غالٰه ٹی
 وڌکی اس خننگیک. بحر متدارک مثمن مخبون ”فعِلُنْ فَعِلُنْ فَعِلُنْ فَعِلُنْ“ پهراڻی بيره فالصله صغري يعني پدريسه گا
 مُسنه متحرک ، چارميکو ساکن حرف آڪ استعمال مريري. دا وزن آهي اوليکو شاعری اه پهرا که براپوئی ٹی
 کننگاڻ- ہندن متدارک نا مزاحف ”بحرمتدارک مخبون فعِلُنْ فَعِلُنْ فَعِلُنْ فَعِلُنْ“ نا تجربه ہم اوليکو وار
 براپوئی غزل ٹی نظر بریک داڻي اوليکو، مسٹميکو فعلن نا ”ع“ متحرک دیسکه ارٹميکو، چارميکو فعلن نا ”ع“ ساکن
 پلنگاڻ او تيوی غزل ٹی وزن نا دروشم ہندادے- بحر کامل مربع مرفل متفاعلاتن متفاعلاتن نا استعمال ہم سائز نا

شاعری ٿي اول وار خننگيک. بحر رمل مثمن مکفوف مقلوع محدود "فاعلات فاعلات فاعلات فع" نا تجربه برابوي غزل ٿي اوليکو وار سائر ناشاعري ٿي نظر بريک. دا اسه گچينو وزن اسي يعني دا ٻيمو بحر آکو که برا اوليکو وار برابوي شاعري ٿي استعمال کننگانو. دافتیان گڙاس بحرات ٿي مون مُستي ٻم استعمال نا ، بود خننگيک ولے فعلتما فعلتما آو فعلتن فعل فعل نا مون مُستي استعمال مشكل نظر بريک انتئه که دا بحراك زيات مشكلو، ہر شاعر دافئه استعمال کننگ کپک -

دا كان بيدس بحر منسح مثمن مطوى موقف مكسوف "مفعلن فاعلن مفتعلن مفتعلن فاعلن" نا زيهما ٻم سائر عزيزتجربه كرينه. "مفاعلن مفاعلن مفاعلن مفاعلن" ٻم مشكل وزن تيان است اه، سائر داڙا ٻم آزمونده كرينه - بحر رمل سالم "فاعلاتن فاعلاتن فاعلاتن فاعلاتن" نا زيهما زيات شاعري مفك ولے سائر داديء ٻم آزمونده ٿي ايسونه. بحر مجتث مثمن مخبون محدود نا وزن مفاعلن فاعلاتن مفاعلن فعلن، بحر رجز مثمن سالم مستفعلن مستفعلن مستفعلن مستفعلن ، بحر رمل مخبون مثمن مخبون محدود فاعلاتن فاعلاتن فعلن، بحر خليل مربع سالم "مفعولتن مفعولتن" بحر مشاكل مکفوف مقصور "فاعلات مفاعيل مفاعيل فاعلات مفاعيل" کونا بحر آتيا ٻم سائر شاعري كرينه -

مستراد غزل نا آزمونده غاڪ ٻم عروضي حواله ٿي حساب مريره پراته که سائر عزيز "ديرو خاخر" ٿي كرينه، دنو چار غزل سائرنا ٻيندا شعري مجموعه ٿي سائي او، بحر مجتث مثمن مخبون محدود مفاعلن فعلاتن مفاعلن فعلن....مفاعلن فعلن، بحر متقارب مقبوض اثلم مثمن فعلن فعلن فعلن....فعول فعلن، بحر متقارب مثمن مقصور فعلن فعلن فعلن فعلن فعلنفعول فعلن ، بحر پنج مسدس محدود مفاعيلن مفاعيلن فعلون سائر شاعرين فعلون، نا وزن تيا سائر نا مستراد غزلاڪ عروضي تجربه غاتا حواله ٿي ٻم يات مريره -

سائر نا غزلاڪ عروضي حواله ٿي برابوي شاعري ٿي جوانو ٻيندش تخره ، اوافق زيات مشكلو بحر ٻم استعمال كرييو پيرا که لس ورڻ استعمال مفسه ولے سائر نا ويل داديء که اوافق وزنه بريپر کننگ کن لوڙآتا دروشم اه بدل کيره ڏنکه اونا دا مصرع "چنکني آن قلم تون دو لخى مسن" ٿي لوز "چنکي اه چنکني" کننگانه. ٻيندن اسه غزل سه ٿي "در يا لوز ڦي ڦي ڪننگانه، تنيا اه ٽي ٽي ڪننگانه يعني داڙيئه نيام اث بروكا ساكن حرف آڪ "ر، ن" اه متتحرك ڪننگانه، مطلب داکه ٻراڙيئه سائريئه وزن تنگ کيک ، اوافق گڙا لوڙآتا دروشم اه بدل کيره، وزن نا مطابق حرف آتا حرڪت و سکون نا ٻيندي بدل کيره تانکه وزن بريپر مرے پيرا که سائر نا حواله ٿي جوانو تاثرس ٻليپك، بايدين که سائر دا عمل آن پريز ڪي او ڪوشش ڪي که لوڙآٿي او فته اصل دروشم اث استعمال ڪي -

8۔ کتاب آک

- Abdaal, Ubaid. (2018). *Brahui ghazal; qaumi o raaji sar haal aak* [M.Phil].
- Hussain, T. (2017). *Istelahat Adabi*. Ilmi Kitab Khana Lahor.
- Jamal, A. (2017). *Adabi Istelahaat*. National Book Foundation Isalmabad.
- Mazhar, A. (2008). *Aasan aur jadeed urdu arooz*. National Book Foundation, Islamabad.
- Rizvi, W. A. (2004). *Tareekh-e-naqd*. National Book Foundation Islamabad.
- Sabir, R. (1981). *Adab na bashkhak*. Brahui Adabi Society Quetta.
- Sahar, N. A. (2016). *Aasan arooz*. Book time Urdu Bazar Lahor.
- Sair, A. (2009). *Dir o Xaxar*. Brahui Adabi Society Quetta.
- Sarosh, M. A. (2016). *Urdu ghazal mein aroozi tajarat*. Roohi books kotwali Road Faisalabad.
- Siddiqi, K. A. (2006). *Aahang aur arooz*. Qaumi Council barai farogh-e-urud zuban, New dilli India.

امنائی (Acknowledgment)

ای دا پٹ پولی نوشت نا ہر ہر لوز نا زمہ واری اے پرفسہ، داہیت اے امناکیوہ که کنا پٹ پول نا راپیشون ڈاکٹر منظور بلوج، پروفیسر، شعبہ براپیوئی نا کمک او ر GAMING اٹ دا پٹ پولی نوشت اے ایس رکنگ نا لائخ مسوٹ۔ او شعبہ براپیوئی نا استاد مننگ نا سبب آن اونا پن کنا دا پٹ پولی نوشت ٹی ساری مننگ کتو۔ دا ہیت نا کنے باز ڈکھ اے۔ انتیکہ ہائیر ایجوکیشن کمیشن اسلام آباد نا نوئیفکیشن نمبر۔ 5 dated November 5, 2019 (SS&H)/HEC/2019/337 (R&D) (2(22), 2019) ایکس کیئیگری سیریل نمبر(iv) نا رداٹ البرز نا پبلشرز یا (جامعہ بلوجستان) نا پروفیسر آتا پارہ غان ہچو نوشت اس شینک کننگپرو۔ ای دا ہیت اے اول ٹی سریندمرسہ او امنا کرسہ تینا نوشت اے البرز کن بیدس تینا راپیشون نا پن آن راپدہ کریٹ۔ ہراثی البرز نا شونکار اور شونکاری باسک آتا ہچو زور اس متنے۔

محمد حنیف مزاج